भारत सरकार

परमाणु ऊर्जा विभाग

राज्य सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 4322

जिसका उत्तर दिनांक 05.04.2018 को दिया जाना है

यूरेनियम के उत्पादन में आत्मनिर्भरता

4322. श्री महेश पोद्दार:

क्या प्रधान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) सरकार यूरेनियम के उत्पादन में आत्मनिर्भरता हासिल करने के लिए क्या कदम उठा रही है ;

(ख) क्या इस प्रयोजनार्थ परियोजनाओं के निष्पादन हेतु कोई समय-सीमा तय की गई है; और

(ग) यदि हाँ, तो ऐसी परियोजनाओं का ब्यौरा क्या है और देश भर, विशेषकर झारखंड में इनकी मौजूदा स्थिति क्या है ?

उत्तर

राज्य मंत्री, कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन तथा प्रधान मंत्री कार्यालय (डॉ. जितेन्द्र सिंह):

(क) यूरेनियम के उत्पादन में आत्म-निर्भर बनने के लिए सरकार ने आधुनिकतम, समाकलित, बहुविषयक अन्वेषण तथा नई खदानें और प्रक्रमण सुविधाएं खोलने के ज़रिए, घरेलू यूरेनियम आपूर्ति संवर्धित करने के लिए उपाय किए हैं।

(ख) जी, हाँ।

(ग) यूरेनियम कार्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (यूसीआईएल) ने परमाणु ऊर्जा विभाग (पऊवि) के विज़न के अनुरूप, यूरेनियम उत्पादन में आत्म निर्भरता प्राप्त करने के लिए, अगले 15 वर्षों (2031-32 तक) में लगभग दस गुणा वृद्धि प्राप्त करने के लक्ष्य के लिए एक विस्तृत योजना तैयार की है। यूसीआईएल ने व्यापक विस्तार की एक योजना तैयार की है, जिसमें वतर्मान सुविधाओं से सतत आपूर्ति बनाए रखने, विद्यमान कुछ यूनिटों की क्षमता में विस्तार तथा देश के विभिन्न भागों में नए उत्पादन केन्द्रों (खदानों एवं संयंत्रों) का निर्माण शामिल है। डीएई की एक संघटक यूनिट, परमाणु खनिज अन्वेषण एवं अनुसंधान निदेशालय (एएमडी) द्वारा विभिन्न भौगोलिक बेसिनों में पहले से चिह्नित संसाधानों को ध्यान में रखकर झारखंड, आंध्रप्रदेश, कर्नाटक, तेलंगाना, राजस्थान तथा मेघालय में, यूसीआईएल के मुख्य उत्पादन केन्द्रों को स्थापित करने की योजना है। उत्पादन, सुव्यवस्थित तरीके से बढ़ाने के लिए यूरेनियम खनन परियोजनाओं की योजना, तीन चरणों में की गई है। उत्पादन में वास्तविक वृद्धि, पर्याप्त निधि की उपलब्धता तथा पर्यावरणीय अनुमति शीघ्र मिलने पर निर्भर होगी।

झारखंड तथा आंध्र प्रदेश में प्रचालनरत यूनिटों की सूची निम्नानुसार है :

i) **झारखंड**

(क) जादुगोडा भूमिगत खदान
(ख) भाटिन भूमिगत खदान
(ग) बागजाता भूमिगत खदान

(घ) नरवापहाड़ भूमिगत खदान
(ङ) तुरामडीह भूमिगत खदान
(च) मोहुलडीह भूमिगत खदान
(छ) बांडुहुरांग खुली खदान
(ज) जादुगोडा प्रक्रमण संयंत्र
(झ) तुरामडीह प्रक्रमण संयंत्र

ii) **<u>आंध्र प्रदेश</u>**

(क) तुम्मलापल्ली भूमिगत खदान
(ख) तुम्मलापल्ली प्रक्रमण संयंत्र

यूरेनियम उत्पादन की तत्काल आवश्यकता को पूरा करने के लिए, सिंहभूम में नई परियोजनाओं के कार्यान्वयन के लिए प्राथमिकता के आधार पर काम हाथ में लिया गया है। परियोजना-पूर्व गतिविधियाँ प्रगति पर हैं।

आंध्र प्रदेश में तुम्मलापल्ली क्षेत्र में, विद्यमान खदानों तथा संयंत्रों के विस्तार के लिए तथा नई खदानें और संयंत्र स्थापित करने के लिए भी यूसीआईएल ने गतिविधियाँ आरंभ कर दी हैं जिनमें संभाव्यता रिपोर्टें, खदान आयोजना तथा खदान नक्शा तैयार करना शामिल है । निम्नलिखित परियोजनाओं के लिए परियोजना-पूर्व गतिविधियाँ प्रगति पर हैं :

i) तुम्मलापल्ली खदान तथा संयंत्र विस्तार 1500 टन प्रतिदिन।
ii) तुम्मलापल्ली अधिक गहरी खदान तथा संयंत्र यूरेनियम परियोजना 3000 टन प्रतिदिन।
iii) कन्नमपल्ली खदान तथा संयंत्र यूरेनियम परियोजना 3000 टन प्रतिदिन।
iv) कन्नमपल्ली अधिक गहरी खदान तथा संयंत्र यूरेनियम परियोजना 4500 टन प्रतिदिन।

उपरोक्त परियोजनाओं का प्रचालन, सांविधिक तथा प्रशासनिक अनुमोदन प्राप्त होने के 6 वर्ष बाद आरंभ होने की आशा है।

****